वार्षिक पत्रिका वर्ष 2013–14

नवधा

V. K. JAIN COLLEGE OF EDUCATION

(Approved by N.C.T.E. Affiliated to Dr. B.R. Ambedkar, University, Agra)

A Minority Education Institution

Soron Road, Kasganj-207 123 (U.P.)

Phone : 05744-247210

E-mail : vkjaincollege@gmail.com, Website : www.vkjaincollege.com

महाविद्यालय प्रवेश द्वार

महाविद्यालय परिसर

नवीन प्रेस, अलीगढ़ मोबा. : 9411801731

1. '' दूसरों की भलाई करके जो सुख मिलता है उसका कोई मूल्य नहीं होता है।''
2. '' प्रत्येक क्षण को अमूल्य समझ कर समय का पूरा सदुपयोग करे।''
3. केवल गायत्री मन्त्र का ज्ञान रखने वाला चरित्रवान् , ब्राह्मण, सम्पूर्ण वेदों के ज्ञाता, पर चरित्रहीन विद्वान से कहीं अधिक श्रेष्ठ है।'' – मनुस्मृति
4. छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।

   – अटल बिहारी वाजपेयी
5. शिक्षक के पास यदि कोई अपनी धरोधर होती है तो वह है उसका नैतिक आचरण और उसका आदर्श व्यवहार।
6. शिक्षक धर्म में तीन गुणों का समावेश होना आवश्यक है– शास्त्र ज्ञान, निष्पापता तथा त्यागभाव।
7. इंसान जन अपने को ज्यादा बुद्धिमान समझने लगे तो उसे समझना चाहिए कि वह संसार का सर्वोत्तम मूर्ख है। – खलील जिब्रान
8. असफलता का मूल मंत्र उस कार्य के प्रति सच्चा और पूर्ण समर्पण है।
9. असफलता तो जीवन का सौन्दर्य है जिसके बिना सफलता का कोई औचित्य नहीं।
10. असफलता ही सफलता की कुंजी है।
11. निर्बलता सदैव शक्ति का विनाश करती है।
12. जो सन्तुष्ट है वही सुखी है और सन्तुष्टि का मूल आधार समायोजन है।
13. यदि जीवन में कोई एक अनुशासन का आगमन हुआ तो समझो जीवन का चरमोत्कर्ष का पदार्पण निश्चित है।

–: अकेले व्यक्ति की शक्ति :–

–: सत्यमेव जयते :–

Paste a Photo Here

मैं अकेला क्या कर सकता हूँ ? एक अरब 20 करोड़ की आबादी में मैं तो बस एक हूँ। अगर मैं बदल भी जाता हूँ , तो इससे क्या फर्क पड़ेगा ? बाकी का क्या होगा ? सबको कौन बदलेगा ? पहले सबको बदलो, फिर मैं भी बदल जाऊँगा। ये विचार सबसे नकारात्मक विचारों में से एक हैं। इन प्रश्नों का सबसे सटीक उत्तर मैं एक कहानी के माध्यम से प्रस्तुत कर रहा हूँ.....

बहुत समय पहले बिहार में एक छोटा सा गाँव गहलोर पहाड़ों से घिरा हुआ था। शहर तक जाने के लिए गाँव वालों को बहुत दूरी तय करके जाना पड़ता था। क्योंकि रास्ते में एक बहुत बड़ा पर्वत पड़ता था। जिसने उनका जीवन नरक बना दिया था। एक दिन गाँव में दशरथ मांझी नाम के व्यक्ति ने फैसला किया कि वह पर्वत को काटकर उसके बीच से रास्ता निकालेगा। उसने अपनी बकरियां बेचकर उन रूपयों से एक हथौड़ा और कुदाल खरीदी और अपने अभियान में जुट गया । सभी लोग उसके इस कार्य पर हंसने लगे और उसे हतोत्साहित करने लगे, पर उसने किसी की बात का बुरा नहीं माना और दिन– रात काम करते हुए 22 वर्षों के अथक प्रयास के बाद सड़क बनाने में कामयाब हो गया।

इस कहानी के माध्यम से मैं यह बताना चाहता हूँ कि मुश्किल समय में किसी की परवाह न करते हुए अपने नकारात्मक विचारों को छोड़कर सकारात्मक विचारों पर दृढ़ रहना चाहिए।

अन्त में हम भारत के नागरिक तय करते हैं, ये वादा करते हैं कि हम हिन्दुस्तान को एक स्वतन्त्र समाजवादी , पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाएंगें, समृद्ध राष्ट्र बनाएंगे। हम हिन्दुस्तान के सारे नागरिकों को चार चीजें दिलवाएंगे, न्यायप्रियता सामाजिकता , आर्थिकता और राजनैतिकता। देश की एकता, अखण्डता और राष्ट्रीयता को सदा कायम रखने का प्रण लेंगें।

"बोल रहा एक हिन्दुस्तानी.....
दूध मांगोगे तो खीर देंगें ,
कश्मीर मांगोगे तो चीर देंगें।"

सौरभ साहू
(कम्प्यूटर प्रवक्ता)
वी.के.जैन कॉलेज ऑफ
एजूकेशन, कासगंज